

**DR. SUBRAMANIAM SWAMY:** In Bombay there are two parts—rural Bombay and urban Bombay. The slum part is rural Bombay. I would like Shri Parulekar to come to my constituency. I have been to his constituency. I know. (*Interruptions*).

**MR. SPEAKER:** Why not I as well to safeguard him?

**DR. SUBRAMANIAM SWAMY:** Parliamentary delegation, Sir.

**MR. SPEAKER:** O.K.

**DR. SUBRAMANIAM SWAMY:** I would like the Minister to benefit from the mistakes of China in regard to the bare footed doctors. You cannot afford to play with the number of years a doctor has to go through to be a doctor. It is well known and I have done the survey of my constituency. 99 per cent of the diseases are common rather they are 75 in number and they can be cured by fifteen well established medicines. A package course to come in for the benefit of rural areas can be considered. Has the Government considered alternative proposals of making easy quick package course for the village? A school master or the village level worker can do the work of a doctor without being called a doctor. (*Interruptions*).

**SHRI K. LAKKAPPA:** Acupuncture.

**DR. SUBRAMANIAM SWAMY:** Shri Lakkappa needs puncturing first.

**MR. SPEAKER:** Inflation.... (*Interruptions*).

**SHRI B. SHANKARANAND:** It should be the concern of the House that the rural mass or the rural people of this country also get good medical treatment at the hands of good doctors. It is not that third rate medical care can be given to the rural

masses and the first rate medical care can be reserved for the urban areas. It is not that. Please look to the approach. We cannot neglect this care of the rural masses in all aspects.

In this country we are producing near about 12,500 doctors—MBBS allopathic doctors. Besides, there are ayurvedic, homoeopathic and unani doctors.

**SHRI K. LAKKAPPA:** Quack doctors.

**SHRI B. SHANKARANAND:** So, you want to produce three year MBBS course doctors also! I leave it to the House. The entire matter is under consideration.

**MR. SPEAKER:** The tendency to flock to the urban areas should be stopped.

**SHRI B. SHANKARANAND:** You are correct, Sir.

बरेली और कासगंज के बीच रेलगाड़ियों  
का देर से चलना

\* 434. श्री जयपाल सिंह बख्श : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्ष 1980-81 में बरेली और कासगंज के बीच कितनी बार रेलगाड़ियाँ देर से चलीं ;

(ख) इस लाइन पर दिन के समय रेलगाड़ियों के देर से चलने के क्या कारण हैं ;

(ग) क्या सरकार ने यह पता लगाया है कि बरेली शहर में दिन के समय अधिकांश रेलगाड़ियों का देर से चलना एक विशेष बंग से होता है; और

(ब) इस लाइन पर रेलगाड़ियों को समय पर चलाने के लिए सरकार द्वारा क्या उपाय किए जा रहे हैं ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS AND IN THE DEPARTMENT OF PARLIAMENTARY AFFAIRS (SHRI (MAL-LIKARJUN): (a) to (d) A statement is laid on the Table of the Sabha.

#### Statement

(a) Out of 2288 trains, 1151 trains ran late on Bareilly-Kasganj section during the period 1980-81 (upto Feb. '81).

(b) and (c) The punctuality of trains was affected adversely on account of severe power cut by Uttar Pradesh Electricity Board in Kasganj and Bareilly City loco running sheds which affected locomotives availability, besides miscreant activities, frequent public and staff agitations etc.

(d) The punctual running of trains including these running on Bareilly Kasganj section is being watched closely at all levels. Avoidable detentions are taken up immediately and remedial punitive action taken to improve the running of trains. Close liaison is being maintained with the State Government authorities to apprehend miscreants.

श्री जयपाल सिंह कश्यप : अध्यक्ष जी मैं आपके माध्यम से पूछना चाहता हूँ कि जो मंत्री जे ने कहा है कि बरेली कासगंज रूट पर ट्रेनों देर से चलने का कारण बिजली का उपलब्ध न होना है, जब कि वहाँ बिजली से कोई ट्रेन नहीं चलती है। केवल डीजल से एक, दो गाड़ियां चलती हैं, शेष गाड़ियां कोयले के इंजनों से चलती हैं। इसके अलावा आपने बदमाशों की गतिविधियां भी एक कारण बताया है जिसकी वजह से ट्रेनें सही समय पर नहीं चलती हैं।

मैं जानना चाहता हूँ कि आपने क्या बदमाशों के खिलाफ आज तक कोई कार्यवाही की है ? और जिन कर्मचारियों को आपने ट्रेनों को देर से चलाने का दोषी पाया है उसके लिए कोई कार्यवाही की है ? क्या आपने यू०पी० इलेक्ट्रीसिटी बोर्ड से भी इस बात का प्रयास अभी तक किया है कि वह बिजली में कटौती न किया करे ?

अध्यक्ष महोदय : यह "बदमाश" शब्द अनपार्लियामेंटरी तो नहीं है ?

श्री मल्लिकार्जुन : मान्यवर, पावर सप्लाई में कमी का कारण इलेक्ट्रिक ट्रैक्शन नहीं है, बल्कि वहाँ जो लोको शेड है वहाँ 75 परसेंट पावर कट हो जाता है जिसकी वजह से लोकोमोटिव को मेन्टेन करने के लिए दिक्कत होती है। यह एक कारण है।

बदमाशों के खिलाफ . . . .

अध्यक्ष महोदय : बदमाश मैं कह रहा हूँ अनपार्लियामेंटरी है।

श्री मल्लिकार्जुन : दूसरा सवाल माननीय सदस्य ने बदमाशों के बारे में पूछा है। तो बदमाशों के लिए स्टेट सरकार काफ़ी प्रयत्न करती रहती है उनको कुछ अच्छे रास्ते पर लाने के लिए। माननीय सदस्य भी—यत्न करते रहते हैं संच विरोधियों को ठीक-ठाक रखने के लिए, किन्तु यह हमारे हाथ के बाहर की बात है फिर भी बदमाशों को हमारी रेलवे हर तरीके से सख्त तरीके से डील करेगी। जहाँ तक कर्मचारियों का प्रश्न है,

प्रो० मधु बंडवले : बदमाशों का नेशनलाइजेशन कीजिए।

श्री मल्लिकार्जुन : जहाँ तक कर्मचारियों का प्रश्न है, यह दुरुस्त है कि गुजिस्ता साल में जो बरेली कासगंज ट्रेन लेट चल रही है, इसमें कर्मचारियों का भी एक कारण रहा है। लॉको मेण्टीनेन्स स्टाफ और वॉगन कैरिज के स्टाफ भी एजीटेशन करते रहे हैं। जब हमारे कर्मचारी अपने कर्तव्य को भुलाकर इस तरह से करते रहते हैं तो ट्रेनों पर देर से चलने का प्रभाव पड़ता है। लिहाजा मैं सदन से प्रार्थना करता हूँ कि हमने सख्त निर्णय कर लिया कि ट्रेनों का पंच्चुएलिटी मेण्टेन करेंगे और हम इसमें सारे सदन का सहयोग चाहते हैं।

एक माननीय सदस्य : सहयोग मिलेगा।

श्री जयपाल सिंह कश्यप : वहाँ के रेल यात्री संघ की ओर से कुछ शिकायत आई हैं और ग्राम लोगों की भी शिकायतें हैं कि बरेली कासगंज रूट पर प्राइवेट बस चलती हैं और उनको नाजायज फायदा पहुंचाने के लिए इन ट्रेनों को दिन में लेट चलाया जाता है और रात में ट्रेनें सही टाइम पर चलती हैं। क्या इस सम्बन्ध में आपके पास शिकायत आई है? क्या सरकार इस पर बाहर से अधिकारी भेजकर जांच कराने की कार्यवाही करेगी?

श्री मल्लिकार्जुन : बाहर से किसी अधिकारी को भेज कर जांच कराने के बारे में सरकार नहीं सोचती है। अगर कोई प्राइवेट बस वाले कुछ कर लेते हैं तो उनके मामले में हमारे प्रजा के प्रतिनिधि श्री कश्यप मित्र हैं, उनको सख्त तरीके से डील करना चाहिये।

श्री जयपाल सिंह कश्यप : प्राइवेट बस वालों से रेल कर्मचारी मिले हुए हैं, यह मैंने कहा है।

श्री मल्लिकार्जुन : माननीय सदस्य ने जैसा कहा कि कुछ रेल कर्मचारी बस कर्मचारियों से मिले हुए हैं, अगर एबीडेंस के साथ कुछ मामला देते हैं तो हम इमीडिएटली डिस्मिस कर देंगे।

श्री जयपाल सिंह कश्यप : भिजवा देंगे आपको।

श्री राजेन्द्र प्रसाद यादव : माननीय सदस्य ने केवल बरेली—कासगंज लाइन पर गाड़ियों के देर से चलने की बात कही है। आज भारतीय रेल की सारी गाड़ियां जो, इनकी प्रैस्टीजियस गाड़ियां हैं, जिनमें राजधानी और डीलक्स भी हैं, सब देर से चलती हैं। बार-बार सदन में यह बात आई है, माननीय मंत्री ने उसके तरह-तरह से कारण बताने का प्रयास किया है, लेकिन नैट रिजल्ट यह है कि इतने प्रयास के बावजूद भी सारी गाड़ियां लेट चलती हैं?

मैं माननीय मंत्री से जानना चाहता हूँ कि क्या वह केवल कारण ही बताते रहेंगे जैसा कि बदमाशों की बात कही, इस संदर्भ में मैं जानना चाहता हूँ कि नीचे के बदमाशों को तो बह रोक लेंगे लेकिन जो यहां के बदमाश है, उसका क्या निराकरण है?

अध्यक्ष महोदय : गलत बात है  
No casting of an aspersion here.  
आप कोई आपत्ति नहीं करते?

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : बहुत आपत्ति है। (इयबबान)

अध्यक्ष महोदय : राजधानी के दो अर्थ हैं, कौनसी राजधानी?

श्री मल्लिकार्जुन : रेलों की पंच्चुएलिटी के बारे में जो हमने हर समय कारण बताये

हैं वह सच्चे हैं और अगर इस सत्य को हमें हासिल करना है तो हमें सब का सहयोग लेना बहुत जरूरी है। हम इस बारे में बहुत सख्ती से स्टेट गवर्नमेंट से बात कर रहे हैं। जनरल मैनेजर्स को स्ट्रिक्टली इसमें लाइएशन रखने के वास्ते भी कहते हैं। बदमाशों के बारे में मुझे कुछ कहना नहीं है। जब हमारे यादव जी पटना से खुद निकलते हैं, चैन-पुलिंग की बात कहते हैं, उन्होंने कई बार कम्प्लेंट किया जिसकी वजह से देर होती है।

#### Uncleared Cargo Lying in Transit Sheds and warehouses of Bombay Port Trust

\*435 SHRI B. V. DESAI: Will the Minister of SHIPPING AND TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether the transit sheds and warehouses of the Bombay Port Trust are once again full of uncleared imported goods after a lapse of over two years;

(b) whether it is a fact that against the normal capacity of 3.5 lakhs packages, these places have been stocked with over 8.24 lakhs of packages thus indicating slow pace of clearance of the goods;

(c) if so, the main reasons therefor; and

(d) what steps are being taken to clear the goods from the Port?

THE MINISTER OF SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI VEERENDRA PATIL): (a) to (d). A statement is laid on the Table of the Lok Sabha.

#### Statement

(a) to (c). Bombay Port has been facing congestion in its docks due to slow clearance of imported cargo for quite some time past. The recent strike of the employees of Clearing Agents from 21 February 1981 to 9 March 1981, however, led to greater

congestion because of non-clearance of cargo. The number of packages increased from 6.91 lakhs on the eve of strike to about 11.75 lakhs on 9 March, 1981 in the warehouses, transit sheds and open space.

The storage capacity of Bombay Port's warehouses alone has been computed broadly at 3.5 lakh packages.

(d) Various steps have been taken by Bombay Port Trust authorities to improve the pace of clearance of cargo. Thus, 'free period' has been reduced from 4 to 3 days and demurrage charges increased. To dispose of packages, over two months, frequent auctions, preceded by wide publicity, are being held. Besides, more areas are being declared as Customs areas with the concurrence of the Customs authorities.

To overcome the problem caused by the recent strike of the employees of the Clearing Agents, steps like arranging round-the-clock deliveries for a week after the end of strike without recovery of night/holiday work charges, and earmarking an open area of 7 acres for storage of cargoes (after their clearance from the docks but awaiting onward transportation by rail/road have been taken). On 18 March, 1981, the total number of packages was about 8.78 lakhs.

SHRI B. V. DESAI: Sir, the Minister is very prompt in giving the latest figure of the uncleared packages as on 18th March, 1981. It is about 8.78 lakh packages. He has mentioned that it is because of the employees' strike.

May I ask the Hon. Minister whether in view of the permanent and continuing problem of congestion of capacity, the Government has any plans to expand the storage capacity?

Secondly, may I know whether the Government would augment the capacity by opening up some of the